

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-IV

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न में किन्हीं दो का उत्तर दें।
(क) विंशोत्तरी महादशा प्रणाली के फल ज्ञात करने के विभिन्न सिद्धान्तों की चर्चा करें।
(ख) विभिन्न लग्नों के लिए कुछ दशाएँ शुभ तथा कुछ अशुभ क्यों होती हैं? वर्णन करें।
(ग) शनि महादशा की सामान्य प्रवृत्ति पर संक्षिप्त ब्यौरा दें। कन्या लग्न में जन्में जातक की शनि महादशा कैसी होगी, यदि शनि अच्छी स्थिति में स्थित है?
2. निम्न जातक का विंशोत्तरी दशा ज्ञात करें तथा उसके व्यवसायकी संभावनाओं का वर्णन करें।
जन्म - 11.10.1942, 16:05, इलाहाबाद, राहु 12व 12 मा. 1 दि
लग्न-कुंभ 03:19, सूर्य-कन्या 24:23, चंद्र-तुला 10:21, मंगल-कन्या 22:36
बुध(व)-कन्या 23:39, बृहस्पति-कर्क 00:32, शुक्र-कन्या 15:11
शनि(व)-कन्या 19:13, राहु-सिंह 10:33, केतु-कुंभ 10:33
3. दो तथा दो से अधिक दशा प्रणालियों को लेकर जन्मपत्री का विश्लेषण कहाँ तक उपयोगी है? उदाहरण के साथ वर्णन करें।
4. घटना काल निर्धारण में प्रत्यन्तर दशा नाथ की भूमिका की चर्चा करें।
5. जन्म कुण्डली में विदेश यात्रा के समय की संभावना आप कैसे ज्ञात करेंगे? उदाहरण के साथ अपने उत्तर की व्याख्या करें।

भाग-II (गोचर)

6. गोचर में मूर्ति निर्णय पद्धति क्या है? 15.11.2011 को शनि गोचर का विभिन्न राशियों पर होने वाली सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालें।
7. किन्हीं दो के उत्तर दें।
(क) ग्रहों के गोचर फल अध्ययन में चंद्रमा की महत्ता की चर्चा करें।
(ख) ग्रहों के गोचर के अध्ययन में लता से क्या अभिप्राय है? अग्र तथा पृष्ठ लता पर संक्षिप्त विवरण दें।
(ग) साढ़े साती पर संक्षिप्त में लिखें।
8. (क) मंत्रेश्वर द्वारा फल दीपिका के तहत शनि के नक्षत्र अंगफल पर संक्षिप्त ब्यौरा दें व उसके क्या परिणाम होंगे?
(ख) पर्याय सिद्धान्त का प्रयोग करते हुए जन्मकुण्डली में बृहस्पति गोचर की भूमिका की चर्चा करें।
9. शनि गोचर को लेते हुए कक्षा सिद्धान्त पर संक्षिप्त टिप्पणी करें। अष्टकवर्ग से फलादेश में यह कहाँ तक उपयोगी है?
10. दशा व अन्तरदशा फलों पर गोचर का क्या प्रभाव है? वे कौन से योग हैं जो विवाह व सन्तानोपत्ति में सहायक होते हैं?